उद्यमिता को बढ़ावा देने को बनेगा स्टार्टअप मिशन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश सरकार राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप मिशन बनाने बनाने जा रही है। यह स्टार्टअप मिशन अपना स्टार्टअप लगा रहे युवाओं को नए तरीके से प्रोत्साहित करेगा। साथ ही उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन भी देने की योजना है। इस मिशन में आईटी कंपनियों व अन्य निवेशकों को भी शामिल किया जाएगा।

प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिक व इलेक्ट्रानिक्स मंत्री सुनील कुमार ने मंगलवार को इस मिशन की तैयारियों के बारें में बताया। उन्होंने कहा कि मिशन के लिए जल्द डैशबोर्ड बनेगा। अगले चार महीने में स्टार्टअप मिशन की फाइनल रूपरेखा तैयार हो जाएगी। मिशन में साथ ही हर क्षेत्र के विशेषज्ञ रखे जाएंगे। स्टार्टअप को दी जाने वाली सब्सिडी पर निर्णय भी स्टार्टअप मिशन के जरिए ही होगा। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने इस मिशन को बनाने के लिए तेलंगाना, ओडिशा व कर्नाटक मॉडल को अध्ययन किया है। वहां ऐसे स्टार्टअप मिशन प्रभावी तरीके से काम कर रहे हैं। इसी आधार पर राज्य सरकार स्टार्टअप मिशन के गठन की कार्यवाही करने जा रही है। सरकार की कोशिश है कि स्टार्टअप इतना आगे बढ़े कि वह स्टार्टअप यूनीकॉर्न के स्तर पर पहुंच जाएं।

देश में 14872 से अधिक स्टार्टअप, 1950 यूपी में

देश में 14872 से अधिक स्टार्टअप हैं। आईटी, फिनटेक, हेल्थकेयर, लाइफ साइंस, शिक्षा, खाद्य व पेय पदार्थ आदि में स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इनमें से प्रदेश में मौजूदा समय में 1950 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 20 कंपनियां मेंटर के तौर पर काम रही हैं। इसके अलावा 71 इंक्यूबेशन सेंटर काम रहे हैं। राज्य सरकार की कोशिश है कि कृषि, डिफेंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे उभरते सेक्टर्स में नए स्टार्टअप्स को शुरू किया जाए।

लखनऊ में देश का सबसे बड़ा इंक्यूबेशन सेंटर बनाने की तैयारी

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग स्टार्टअप मिशन के गठन के साथ-साथ प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देश का सबसे बड़ा इंक्यूबेशन सेंटर बनाने की तैयारी कर रहा है। इन इंक्यूबेशन सेंटर्स में स्टार्टअप्स के सदस्यों के बैठने के साथ-साथ विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। ये सेंटर एकेटीयू यूनिवर्सिटी के कैंपस में बनाया जा सकता है। जिसमें 100 से अधिक स्टार्टअप्स के बैठने और काम करने की सुविधा मिलेगी।